



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 66] नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 26, 1973/चैत्र 5, 1895

No. 66] NEW DELHI, MONDAY, MARCH 26, 1973/CHAITRA 5, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

## MINISTRY OF COMMERCE

### PUBLIC NOTICE

#### EXPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 26th March 1973

SUBJECT:—Export of cotton handloom products (other than fabrics) to U.S.A.

No. 9-ETC(PN)/73.—Reference Public Notice No. 27-ETC(PN)/72, dated the 25th October, 1972 on the above subject.

2. It has been decided that—

- (i) Cotton handloom ready-made garments will be licensed freely for export to U.S.A. upto the 30th September, 1973, under shipping bills (accompanied by necessary contracts and certification documents, etc.) endorsed by the Cotton Textiles Export Promotion Council;
- (ii) Cotton handloom durries and carpets will be licensed freely for export to U.S.A. till the 30th September, 1973, on shipping bills, supported by necessary contracts and the certification documents etc.; and
- (iii) Exports of other cotton handloom made-ups to U.S.A. will be permitted during the period ending the 31st May, 1973, against allocations to be made to exports by the Handloom Export Promotion Council, Madras. Allocations will be made only to such registered exporters as have commitments for exports of these cotton handloom made-ups to U.S.A. during the period from

the 1st February to the 31st May, 1973. There will be separate quotas for established shippers (i.e. those who exported the made-ups in question to U.S.A. during the year October, 1970—September, 1971, or October, 1971—September, 1972) as well as for newcomers. As the quota is very limited, allocations will be made against contracts backed by letters of credit or such other terms of payment as may be approved by the Handloom Export Promotion Council. If found necessary, (1) allocations may be made in the order of value per sq. yard of the goods to be exported, and only to such exporters as may be covered within the quota, and (2) allocations for export below a floor price per sq. yard (to be determined by the HEPC) may not be made. The Exporters to whom the allocations are made by the Handloom Export Promotion Council, Madras, will have to give suitable undertakings for exports, including, wherever necessary, bank guarantees. For this purpose, conversion of the various made-ups in terms of sq. yards will be made in accordance with the provisions of the Cotton Textile Agreement with U.S.A.

3. Applications for allocations of cotton handloom made-ups, other than ready-made garments and durries and carpets, should reach the Handloom Export Promotion Council by the 17th April, 1973, at the latest.

S. G. BOSE MULLICK,

Chief Controller of Imports and Exports.

### वाणिज्य मंत्रालय

#### सार्वजनिक सूचना

#### निर्यात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 26 मार्च, 1973

**विषय:—**संयुक्त राज्य अमरीका को सूती हाथ करघा उत्पादों (वस्त्रों में भिन्न) का निर्यात।

**संख्या :** 9 ई०टी०सा० (री एन)/73—उपर्युक्त विषय पर, सार्वजनिक सूचना संख्या 27-ईटीसी(पीएन)/72, दिनांक 25 अक्टूबर, 1972 के संदर्भ में।

2. यह निश्चय किया गया है कि:—

- (1) सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद द्वारा पृष्ठांकित पातलदान बिलों (आवश्यक सविदायें एवं प्रमाणन प्रलेख आदि के साथ) के अन्तर्गत 30 सितम्बर, 1973 तक संयुक्त राज्य अमरीका को हाथ करघा से तैयार पहनाखों के निर्यात के लिए लाइसेंस स्वतंत्र रूप से दिए जायेंगे;
- (2) आवश्यक सविदायों तथा प्रमाणन प्रलेखों आदि द्वारा समर्थित पातलदान बिलों के आधार पर 30 सितम्बर, 1973 तक संयुक्त राज्य अमरीका को सूती हाथ करघा से बनी दाँतियों एवं कालीनों के निर्यात के लिए लाइसेंस स्वतंत्र रूप से दिए जायेंगे;
- (3) संयुक्त राज्य अमरीका को 31 मई, 73 की अवधि के दौरान सूती हाथ करघा से तैयार माल के निर्यात की स्वीकृति हाथ करघा निर्यात संवर्धन परिषद, मद्रास द्वारा निर्यातकों को दिए जाने वाले आवंटन के मद्देनो, जाएगी। आवंटन केवल उन्हीं पंजीकृत निर्यातकों को दिया जाएगा जिन्होंने 1 फरवरी से 31 मई, 1973 की अवधि के दौरान संयुक्त राज्य अमरीका को इन सूती हाथ करघा

मे तैयार माल का निर्यात करने के लिए बचन ले लिया है। सुस्थापित पोत-वर्णिकों (अर्थात् वे जिन्होंने विषयाधीन तैयार माल को निर्यात संयुक्त राज्य अमरीका को अक्टूबर, 1970—सितम्बर, 1971 या अक्टूबर, 1971—सितम्बर, 1972 वर्ष के दौरान किया है) और साथ ही साथ नए आगन्तुकों के लिए अलग कोटा होगा। चूंकि कोटा बहुत सीमित है, इसलिए आर्बेटन साख-पत्र द्वारा समर्थित मंडिदाओं के मद्दे या अमतान की ऐसी शर्तों के मद्दे किया जाएगा जिसका अनुमोदन हाथ करघा निर्यात संवर्धन परिषद द्वारा किया जाए। यदि आवश्यक पाया गया तो (1) निर्यात किए जाने वाले माल के प्रति कागज के मूल्य के अनुसार और केवल ऐसे ही निर्यातकों को आर्बेटन किया जाएगा जो कोटे के भीतर आते हैं और (2) प्रति वर्ग गज (हाथ करघा निर्यात संवर्धन परिषद द्वारा निर्धारित किया जाना है) के न्यूनतम मूल्य से नीचे के निर्यात के लिए आर्बेटन नहीं किए जा सकते। वे निर्यातक जिन्हें हाथ करघा निर्यात संवर्धन परिषद, मद्रास द्वारा आर्बेटन किए जाते हैं तो जहा जरूरी होगा, निर्यातों के लिए, बैंक गारंटी सहित उचित बचन पत्र भी देना पड़ेगा। इस कार्य के लिए, विभिन्न प्रकार के तैयार माल का परिवर्तन संयुक्त राज्य अमरीका के लिए सूती वस्त्र करार की व्यवस्थाओं के अनुसार प्रति वर्ग गज की शर्तों के अनुसार किया जाएगा।

3. तैयार पहनावा तथा दरियों और कालीनों को छोड़कर अन्य सूती हाथ करघा से तैयार माल के आर्बेटन के लिए आवेदन हाथ करघा निर्यात संवर्धन परिषद के पास अधिक से अधिक 17 अप्रैल, 1973 तक पहुंच जाने चाहिए।

एम० जी० बोम मल्लिक

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात।

